CHAMAN LAL MAHAVIDHYALAYA, LANDHAURA, MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)

AFFILIATED

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRI GARHWAL,UTTARAKHAND

तमसो मा ज्योतिर्गमय

NATIONAL EDUCATION POLICY-2020
STRUCTURE OF UG SYLLABUS
HINDI
2024-2025

CHAMAN LAL MAHAVIDHYALAYA, LANDHAURA, MANGLAUR ROAD, HARIDWAR.(AUTONOMOUS)

AFFILIATED

SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY, BADSHAHITHAUL, TEHRI GARHWAL,UTTARAKHAND

List of Members of Board of Studies

Sl. No.	Name of the Members	Designation	Nominated as
1.	Dr.Meera Chourasia	Asst. Professor (Head)	Convener
2.	Dr. Prerna Pandey	Asst. Professor	Expert
3.	Dr. Ajeet Tomar	Asst. Professor	Expert
4.	Shri Ashutosh Sharma	Asst. Professor	Member
5.	Saloni	Alumini	Member

List of all Papers in Six Semesters AND Semester-wise Titles of the Papers in HINDI

Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
			Certificate Course in ARTS-HINDI		
FIRST YEAR	I		प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दी भाषा व व्याकरण Minor Elective	Theory	4
			सर्जनात्मक लेखन -Vocational/Skill Development Course	Theory	3
	II		हिन्दी कथा साहित्य Major/Core	Theory	6
			सूचना तंत्र के लिये लेखन /Skill Development Course	Theory	3
			Diploma in ARTS-HINDI		
SECOND YEAR	III		रीतिकालीन काव्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दी भाषा : स्वरूप Minor Elective	Theory	4
			विविध विधाओं की आधारभूत संरचना का अध्ययन Skill Development Course	Theory	3
	IV		नाटक एवं स्मारक साहित्य Major/Core	Theory	6
			स्तंभ, साक्षात्कार लेखन एवं नाट्य रूपांतरण / Skill Development Course	Theory	3
			Bachelor of ARTS-HINDI		
THIRD YEAR	V		द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य Major/Core	Theory	5
			छायावादोत्तर हिन्दी कविता Major/Core	Theory	5
			हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली/Project	Project	4
	VI		हिन्दी निबंध Major/Core	Theory	5
			लोकसाहित्य Major/Core	Theory	5
			साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति-आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद,राष्ट्रवाद, अस्तित्ववाद, नारीवाद, दलित विमर्श, आधुनिकताबोध, उत्तरआधुनिकता में से कोई एक	Project	4

Programme outcomes (POs):

1. साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य समाज का प्रतिदर्श है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन व अध्ययन से शिक्षार्थी को साहित्य के सांगोपांग महत्व का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को राष्ट्र की सर्वप्रमुख भाषा हिन्दी के अत्यन्त समृद्ध साहित्य के सम्पूर्ण स्वरूप का ज्ञान होता है।
3. शिक्षार्थी को हिन्दी साहित्य की सभी प्रमुख विधाओं का ज्ञान होता है, जिससे उसमें रचनात्मकता का प्रस्फुटन एवं विकास होता है।
4. शिक्षार्थी को जीवन के आजीविकोपार्जन सम्बन्धी पक्ष के रूप में हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप व महत्व का ज्ञान एवं प्रशिक्षण होता है।
5. साहित्य के अध्ययन में अन्य अनुशासनों के सन्दर्भ यथा सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, पर्यावरणीय आदि समाहित होते हैं। स्नातक में हिन्दी साहित्य का चयन शिक्षार्थी को समग्र रूप से शिक्षित करता है।
6. शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित हिन्दी साहित्य की आधार व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करता है।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG I Year / Certificate course Arts with Hindi

1. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी व्याकरण का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा ।
3. शिक्षार्थी प्रमाण् पत्र वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. प्रथम वर्ष में शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजाविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG II Year/ (Diploma in ARTS with Hindi

1. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की रीतिकालीन कविता व काव्यांग परिचय तथा नाटक एवं स्मारक साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी भाषा के स्वरूप का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा ।
3. शिक्षार्थी डिप्लोमा वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में हिन्दी पत्रकारिता का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG I Year / Certificate course Arts with Hindi

1. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी व्याकरण का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा ।
3. शिक्षार्थी प्रमाण् पत्र वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. प्रथम वर्ष में शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजाविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG II Year/ (Diploma in ARTS with Hindi

1. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की रीतिकालीन कविता व काव्यांग परिचय तथा नाटक एवं स्मारक साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी भाषा के स्वरूप का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा ।
3. शिक्षार्थी डिप्लोमा वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में हिन्दी पत्रकारिता का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG III Year / Bachelor of ARTS with Hindi

PSO 1	1. शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की द्विवेदीयुगीन, छायावादी तथा छायावादोत्तर एवं समकालीन कविता, हिन्दी निबन्ध एवं लोक-साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO2	2. शिक्षार्थी के पास उपधि वर्ष में विगत वर्षों के अध्ययन से हिन्दी साहित्य के विविध पक्षों तथा उनके अकादमिक स्वरूप ज्ञान होगा, उसे हिन्दी भाषा के व्याकरण एवं स्वरूप का ज्ञान होगा, उसे कार्यालयी हिन्दी तथा पत्रकारिता जैसे रोजगारपरक विषयों का ज्ञान होगा और वह आगे की शिक्षा एवं शोध के लिए भाषा तथा साहित्य के उच्चस्तरीय आधारभूत ज्ञान व कुशलता के साथ उपाधि प्राप्त करेगा।

Year wise Structure UG / BA
(CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)

Subject:Hindi

Course/ Entry –Exit Levels	Year	Sem.	Paper 1 Major Course	Credit	Paper 2 Minor Elective	Credit	Paper 3 Vocational/Skill Development Course	Credits/hrs	Research Project	Credit/	Total Credits /hrs/
Certificate Course In Arts-HINDI	I	I	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	6	हिन्दी भाषा : व्याकरण	4	सर्जनात्मक लेखन	3			13
		II	हिन्दी कथा साहित्य	6			सूचना तंत्र के लिये लेखन	3			09
Diploma in Arts HINDI	II	III	रीतिकालीन काव्य	6	हिन्दी भाषा : स्वरूप	4	विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन	3			13
		IV	नाटक एवं स्मारक साहित्य	6			स्तंभ/साक्षात्कार लेखन एवं नाट्य रूपांतरण	3			09
Bachelor of Arts HINDI	III	V	1. द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	5					हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी की शब्दावली	4	14
		V	2. छायावादोत्तर हिन्दी कविता	5							

		VI	1. हिन्दी निबंध	5					साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति-आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद, राष्ट्रवाद, अस्तित्ववाद, नारीवाद, दलित विमर्श, आधुनिकताबोध उत्तर आधुनिकता में से कोई एक	04	14
		VI	2. लोकसाहित्य	5							

Internal Assessment & External Assessment

Internal Assessment	Marks 25	External Assessment	Marks 75
नियतकार्य, समूहचर्चा, कक्षा सेमिनार, मौखिकी आदि		लिखित परीक्षा	

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme:CertificateCourse in ARTS-Hindi

Year:I/Semester:I/Paper:I

Subject:Hindi

Course Code: | **Course Title:** प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी चंदबरदाई,कबीर,जायसी,सूर और तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा एवं मुक्तक विधा का शिल्पगत परिचय व ज्ञान पाता है।
3. शिक्षार्थी आदिकालीन वीरकाव्य, निर्गुण काव्यधारा व संत साहित्य का सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण पाता है।
4. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा इनके अंतर्गत रामभक्ति और कृष्णभक्ति के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

Credit:6

Maximum Marks:25(Internal)+75(external)=100 | Core Compulsory | Minimum Passing Marks 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):6-0-0

Unit	Topic	No. Of Lecture.
I	प्राचीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास	
II	भक्तिकालीन हिन्दी काव्य : भक्ति आन्दोलन, प्रमुख सिद्धांत,निर्गुण काव्य–ज्ञान मार्ग और प्रेम–मार्ग,सगुण काव्य–रामभक्ति,कृष्णभक्ति,सूफी काव्य	10
III	चन्दबरदाई और उनका काव्य : व्याख्या के लिए पृथ्वीराज रासो के पद्मावती समय से चयनित अंश ('पूरब दिसि गढ़ गढ़नपति' से 'मिलहि राज प्रथिराज जिय' तक /छन्द संख्या 1–10/ (kavitakosh.org)	10 10
IV	कबीर और उनका काव्य : व्याख्या के लिए साखी संख्या गुरूदेव कौ अंग–3,6,8;सुमिरन कौ अंग– 8,9,10;विरह कौ अंग–1,5,8;ज्ञान विरह कौ अंग–3,4,5; परचा कौ अंग–3,4,7;रस कौ अंग–1,4,7;लांबी कौ अंग–1,3,4; निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग–3,5,14; चितावनी कौ अंग–16,25,34) पद संख्या–16,40,43। (कबीर ग्रंथावली,सम्पादक–डा0 श्यामसुन्दर दास)	10
V	जायसी और उनका काव्य : व्याख्या के लिए 'मानसरोदक खण्ड' से कड़वक संख्या 4:1–4:8 (जायसी ग्रंथावली,सम्पादक–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)	10
VI	सूरदास और उनका काव्य : व्याख्या के लिए विनय के पद–(1,2,23,24,25,39,44,45,46,52) सूरसागर सार,सम्पादक– डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद। भ्रमर गीत–(6,7,11,13,23,24,25,28,34,52,64) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ग्रंथावली, भाग 5, ना0 प्रचारिणी सभा,काशी	10
VII	तुलसीदास और उनका काव्य : व्याख्या के लिए रामचरितमानस के अयोध्याकाण्ड से दोहा संख्या 125 से 131 तथा विनय पत्रिका से पद–संख्या – 88,91,105, 111,115,162,172 ,174,198,245,	10
	ClassRoom Lectures,Tutorials,Assignments,ClassRoom Seminar,Group Discussion etc.	70+20=90

Suggested Readings :

1–प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य –सम्पादक डॉ मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक–व्याख्या हेतु संकलित काव्य)
2–कबीर एक नयी दृष्टि–डॉ रघुवंश, लोकभारती,15–एम गांधी मार्ग, इलाहाबाद,
3–जायसी–एक नयी दृष्टि डॉ रघुवंश लोकभारती इलाहाबाद,
4–जायसीतर हिन्दी सूफी कवियों की बिम्बयोजना–डॉ मृदुला जुगरान ,सरिता बुक डिपो, नई दिल्ली।
5–जायसी–विजयदेव नारायण साही हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: *Certificate Course in ARTS – Hindi*	Year: I	Semester:I Paper-II

Subject: Hindi

Course Code:	Course Title: हिन्दी भाषा : व्याकरण

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिक प्रयोजनार्थ वर्तनी एवं शब्दों के मानक स्वरूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
2. शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु हिन्दी की वाक्य-संरचना एवं व्याकरण का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
3. शिक्षार्थी को व्यावहारिक-व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हिन्दी भाषा की अत्यन्त समृद्ध शब्द सम्पदा तथा उसकी समाहार- समायोजन शक्ति का ज्ञान होता है।
4. शिक्षार्थी कार्यालयी प्रयोजनार्थ पारिभाषिक – प्रतिपारिभाषिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Credits: 4	Minor Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वर्ण विचार : - हिंदी वर्णमाला: स्वर और व्यंजन, वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण	07
Unit II	हिंदी-वर्तनी: हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेपण, वर्तनी विपयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन।	07
Unit III	शब्द विचार :- व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण(विकारी और अविकारी शब्द)	07

Unit IV	हिंदी शब्द रचना- समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्दभेद- रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर- तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द।	07
Unit V	पारिभाषिक शब्द: तात्पर्य, परिभाषा। शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक ।	07
Unit VI	विराम चिह्न और उनका प्रयोग।	07
Unit VII	वाक्य रचना, वाक्य-भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य-संश्लेपण, वाक्य-शुद्धि।	07
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total-60

Suggested Reading:

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति, वद्रीनाथ कपूर वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक।
2. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु इलाहावाद : लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विमर्श, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. हिंदी भापा: कल आज कल, पूर्णचन्द्र टंडन, मुकेश अग्रवाल, कितावघर : नई दिल्ली।
5. मानक हिंदी व्याकरण और रचना, हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान : नई दिल्ली।
6. हिंदी भापा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, नई दिल्ली :वाणी प्रकाशन।
7. हिंदी भापा का आधुनिकीकरण, कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
8. अच्छी हिंदी, रामचन्द्र वर्मा, इलाहावाद : लोकभारती प्रकाशन।
9. हिंदी शव्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, वाराणसी : नागरी प्रचारिणी सभा।
10. हिंदी भापा : संरचना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

प्रथम सेमेस्टर– सर्जनात्मक लेखन का परिचय

उद्देश्य–

रचनात्मक लेखन अवधारणा एवं स्वरूप तथा रूपान्तरण की प्रक्रिया पर व्याख्यानों की श्रृंखला के माध्यम से विद्यार्थियों में इस विषय पर अवधारणा का विकास करना

परिणाम–

विद्यार्थी रचनात्मक लेखन अवधारणा एवं स्वरूप तथा रूपान्तरण की प्रक्रिया से परिचित होता है विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र साहित्य पत्रकारिता विज्ञापन विविध गद्य अभिव्यक्तिया लेखन के विविध रूपों का परिचय प्राप्त करता है।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम –1	पाठ्यक्रम का नाम– सर्जनात्मक लेखन का परिचय	
पाठ्यक्रम कोड		
क्रेडिट–03		
कुल अंक–25+75=100		
व्याख्यान ट्यूटोरियल एवं प्रयोगों की कुल संख्या =3::0:0		व्याख्यानों की संख्या
इकाई–01	सर्जनात्मक लेखन अवधारणा एवं स्वरूप	05
इकाई–02	भाव एवं विचार की रचना में रूपान्तरण की प्रक्रिया	10
इकाई–03	विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र साहित्य पत्रकारिता	15
इकाई–04	विज्ञापन विविध गद्य अभिव्यक्तिया	

सन्दर्भ ग्रंथ–1– जन संचार के सामाजिक संदर्भ – जवरीमल्ल
2– पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार
3– नये जमाने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ल
4– सोशल नेटवर्किंग नये समय का संवाद – संजय द्विवेदी (सम्पा0)
5– हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका – भोलानाथ तिवारी
6 Criating the creative Writers-A Henry Harvin Brand

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS- Hindi*	Year: I	Semester:II Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: हिंदी कथा-साहित्य	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी कथा-साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 6	Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिन्दी में गद्य का आरम्भ : आधुनिककाल	10
Unit II	हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास	10
Unit III	हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास	10

Unit IV	हिन्दी उपन्यास का शिल्प	10
Unit V	हिन्दी कहानी का शिल्प	10
Unit VI	कगार की आग: हिमांशु जोशी	10
Unit VII	प्रतिनिधि हिन्दी कहानियाँ : उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नमक का दरोगा – प्रेमचंद, आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद, पाजेब- जैनेन्द्र कुमार, परदा -यशपाल, दोपहर का भोजन – अमरकान्त, वापसी – उषा प्रियंवदा	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc.	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. कहानी सप्तक - संपादक: प्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कहानियाँ)
2. कहानी: नई कहानी- डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
3. हिंदी कहानी: पहचान और परख- इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कहानी: संवाद का तीसरा आयाम- मधुरेश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
6. कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद
7. समकालीन हिंदी कहानी- गंगाप्रसाद विमल (सं.), मैकमिलन, दिल्ली।
8. कगार की आग: हिमांशु जोशी

द्वितीय सेमेस्टर– सूचना तंत्र के लिए सामग्री लेखन

उद्देश्य–

विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, कीड़ा से संबंधित मुद्दों पर सूचना तंत्र हेतु कंटेंट राइटिंग पर शिक्षार्थियों को प्रशिक्षित करना।

परिणाम–

शिक्षार्थियों इलैक्ट्रोनिक मीडिया मे विभिन्न स्तरो पर रोजगार प्राप्त करने में समर्थ हो सकते है।

व्यावसायिक पाठ्यकम –2	पाठ्यकम का नाम– सूचना तंत्र के लिए लेखन	
पाठ्यकम कोड		
केडिट–03	वैकल्पिक	
कुल अंक–25+75=100		
व्याख्यान, ट्यूटोरियल एव प्रयोगो की कुल संख्या =3::0:0		व्याख्यानो की सख्या
इकाई–01	सूचना तंत्र के लिए लेखन	05
इकाई–02	रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म तथा टेलीविजन लेखन	20
इकाई–03	विज्ञापन फीचर–लेखन, यात्रा वृतांत,	15
इकाई–04	पुस्तक, समीक्षा।	05

1– हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका – भोलानाथ तिवारी

2– आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन

3– हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम – वेदप्रकाश वैदिक

4– हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र

5. रचनात्मक लेखन–संपादक रमेश गौतम

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme:*Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:III Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: रीतिकालीन काव्य	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान-प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कविताओं के आधार पर रीतिकालीन कविता की कला और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी प्रमुख रीतिकालीन कवियों से परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 6	Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रीतिकाल : परिचय व इतिहास	05
Unit II	रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ	05
Unit III	केशवदास– बानी जगरानी की उदारता बखानी जाए...,पूरण पुराण अरु पुरुष पुराण परि.., पुनि आए सरयू सरित तीर...,तुम अमल अनंत अनादि देव..., सीता कैसोदास नींद भूख प्यास उपहास त्रास....,मातु सबै मिलिबे कँह आई....,फल फूलन पूरे तरुवर रूरे....,सरिता एक केसव सोभ रई..., अवलोकत हों जवहीं तबहीं..., राम साँचो एक नाम हरि लीन्हे सब दुख हरि... ।	20
Unit IV	बिहारी सतसई–1.मेरी भव बाधा हरौ....,. औरे ओप कनीनिकनु गनी घनी सरताज......, जुबति जोन्ह में मिलि गई...., मोर मुकुट कटि काछनी..., मोहन मूरति स्याम की..., तजि तीरथ हरि. राधिका...., सनि कज्जल चख झख लगन..., हौं रीझि लखि रीझिहौं छबिहि छबीले लाल...., जोग जुगति सिखए सबै ...., पिय बिछुरन को दुसह दुख..., झीने पट में झुलमुली ......, डारे ठोड़ी- गाड़, नैन बटोही मारी......, कीनै हूँ कोटिक जतन ...., लग्यौ सुमनु है है सफलु......, अजौ तरयौना ही रह्यौ......,सघन कुंज छाया सुखद..., सखि सोहत गोपाल कें..	10

	....,जहाँ जहाँ ठाड़ौ लख्यौ.....,चिरजीवी जोरी जुरै....., करौ कुवतु जगु कुटिलता..., अरून सरोरुह कर .चरन दृग खंजन मुख चंद.., जनमु जलधि पानिप बिमलु...., समै .समै सुन्दर सबै रूपु. कुरुपु न कोई...., करौ कुवतु जग कुटिलता तजौं न दीनदयाल...., नहीं पराग नहीं मधुर मधु...।	
Unit V	देव– डारि द्रुम-पलना बिछौना नव- पल्लव के...., फटिक सिलानी सौं सुधार्‌यौ सुधा मंदिर....,झहरि झहरि झीनी बूँद है परति मानो...., दूलह को देखत हिए में हूलफूल है...., माखन सो मन दूध सो जोबन....,प्रेम समुद्र पर्‌यो गहिरे अभिमान के फेन रह्यो गहि रे मन...., प्रेम चरचा है अरचा है कुल नेमन रचा है....., माथे महावर को देखि महावर पाय सुढार ढुरीये...., मंद मही मोहक मधुर सुनियत...., मंद्र हास चंद्रिका को मंदिर बदन चंद्र. ...,मूरति जो मनमोहन की मनमोहनी के थिर है थिरकी...., बारिध बिरह बड़ी बारिधि की बड़वागि....., कोयन जोति चहूँ चपला जबतें कुबर कान्ह रावरी कलानिधान....., पायनि नूपुर मंजु बजे, कटि किंकिनि की धुनि की मधुराई....., कुंदन से अंग नवयौवन सुरंग उतै....., जागत. जागत खीन भई......,धांर में धाय धँसी निरधार है जाय फँसी उकसी न अँधेरी....., जाकै न काम न क्रोध विरोध न....., राधे कही है कि ते छमियो....।	10
Unit VI	घनानंद–वहै मुस्क्यानि, वहै मृदु बतरानि...., लाजनि लपेटी चितवनि भेद भाय भरि......., झलकै अति सुन्दर आनन गौर....,छवि को सदन मोद मंडित मदन.....हीन भए जन मीन अधीन....,क्यौ हँसि हेरि हरे हियरा......, रावरे रूप की रीति अनूप......, घनआनन्द जीवन मूल सुजान की....., आसा गुन बाँधि कै.....,चातिक चुहुल चहुँ ओर...., ... पांति मधि छाति. छत लिखि न लिखाए......, कंत रमै उर अंतर में.....,ए रे वीर पौन...., पीरी परि देह छीनी..., अति सूधे सनेह को मारग है...।	10
Unit VII	भूषण– एक समै सजि के सब सैन सिकार को आलमगीर सिधाए......, मिलतहिं कुरुख चकत्ता को निरखि कीन्हो......,इंद्र जिमि जंभ पर...., साजि चतुरंग सैन...., सबन के ऊपर ही ठाड़ो रहिबे के जोग......, गरुड़ को दावा जैसे नाग के समूह पर.....,बाने फहराने घहराने घंटा गजन के...., लाजनि लपेटी चितवनि ......, ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी......, त्रिभुवन में परसिद्ध एक अरि बल वह खंडिय.... आसा गुन बांधि कै ....।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. रीतिकालीन काव्य- संपादक: प्रो. मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)
2. काव्य प्रदीप - राम वहोरी शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. मध्यकालीन वोध का स्वरूप- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मध्यकालीन काव्यसाधना- डॉ. वासुदेव सिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
6. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – वच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:III Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: हिन्दी भाषा : स्वरूप	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को हिन्दी की शैलियों यथा हिन्दी, हिन्दुस्तानी व उर्दू का ज्ञान होता है, जो भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में काम आता है।
3. शिक्षार्थी को हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाता है।
4. शिक्षार्थी को राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होता है, जिसकी आवश्यकता उसे सरकारी सेवाओं में होती है।
5. शिक्षार्थी विभिन्न व्यावहारिक व व्यावसायिक प्रयोजनों हेतु हिन्दी के मानकीकृत रूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
6. शिक्षार्थी कम्प्यूटर व इंटरनेट की तकनीक में हिन्दी के प्रयोग का आरंभिक ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Credits: 4	Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।	07
Unit II	हिंदी की शैलियाँ- हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू।	07
Unit III	हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ- (1) पश्चिमी हिंदी (2) पूर्वी हिंदी (3) राजस्थानी (4) बिहारी (5) पहाड़ी एवं उनकी बोलियाँ।	07
Unit IV	राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा, सम्पर्क भाषा,	10
Unit V	हिन्दी और न्यू मीडिया ।	05
Unit VI	देवनागरी लिपि एवं अंक।	07
Unit VII	निबंध लेखन ।	06
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total-60

Suggested Reading:

1 डॉ. केशवदत्त रुवाली- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा: द्वितीय भाग, हिंदी भाषा शिक्षण, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि और अंक, हिंदी भाषा और नागरी लिपि।

2. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा- हिंदी भाषा का इतिहास।

3. डॉ. भोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा।

4. डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा - हिंदी भाषा का विकास।

5. डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया- प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास।

6. डॉ. पूरनचंद्र टण्डन- व्यावहारिक हिंदी।

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

तृतीय सेमेस्टर– विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन

उद्देश्य–

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना

परिणाम–

विविध विधाओं में लेखन से परिचय ।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम –3	पाठ्यक्रम का नाम– विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन	
पाठ्यक्रम कोड		
क्रेडिट–03		
कुल अंक–25+75=100		
व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं प्रयोगों की कुल संख्या =3::0:0		व्याख्यानों की संख्या
इकाई–01	विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन	05
इकाई–02	कविता–संवेदना काव्यरूप भाषा–सौन्दर्य छंद।	05
इकाई–03	कथा साहित्य – वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श	10
इकाई–04	नाट्य साहित्य – वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म	05

संदर्भ ग्रंथ–

1–ON Poetry- Jonathan Davidson

2-On Becoming A Novelist-Johan Gard-

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:IV Paper-I

Subject: Hindi

Course Code:	Course Title: नाटक एवं स्मारक साहित्य

Course Outcomes:

1. . शिक्षार्थी नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक के अध्ययन के आधार पर नाट्यसमीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी को हिन्दी में स्मारक साहित्य लेखन परम्परा का ज्ञान होता है।
5. शिक्षार्थी को स्मारक साहित्य के स्वरूप व उसकी विधाओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
6. शिक्षार्थी को महान साहित्यकारों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को पढ़ने से उच्च जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।

Credits: 6	Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	नाटक : विधागत स्वरूप, उद्भव एवं विकास	10
Unit II	जयशंकर प्रसाद कृत ध्रुवस्वामिनी	10

Unit III	स्मारकं साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास	10
Unit IV	संस्मरण : तुम्हारी स्मृति – माखनलाल चतुर्वेदी, स्मरण का स्मृतिकार (रायकृष्ण दास) – अज्ञेय, दादा स्वर्गीय पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – डॉ. नगेन्द्र, निराला भाई – महादेवी वर्मा रेखाचित्र : महाकवि जयशंकर प्रसाद – शिवपूजन सहाय, मकदूम बख्श – सेठ गोविन्ददास, एक कुत्ता और एक मैना – हजारीप्रसाद द्विवेदी, ये हैं प्रोफेसर शशांक – विष्णुकान्त शास्त्री	10
Unit V	जीवनी एवं आत्मकथा	10
Unit VI	यात्रावृत्त एवं रिपोर्ताज	10
Unit VII	स्मारक साहित्य की अन्य विधाएँ	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. स्मरण वीथिका – प्रो. निर्मला ढैला वोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित संस्मरण एवं रेखाचित्र)
2. प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना- डॉ. गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी स्मारक साहित्य- डॉ. केशवदत्त रुवाली एवं डॉ. जगतसिंह बिष्ट, तारामण्डल, अलीगढ़।
4. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ- डॉ. निर्मला ढैला एवं डॉ. रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़।

चतुर्थ सेमेस्टर– सर्जनात्मक लेखन के विविध रूपों का अभ्यास

उद्देश्य–

शिक्षार्थियों को विविध विधाओं मे लेखन तथा नाट्य रूपांतरण की प्रकिया से परिचित कराना एवं लेखन तथा रूपांतरण का प्रशिक्षण प्रदान करना।

परिणाम–

विविध विधाओ मे लेखन कौशल का विकास। यह विभिन्न माध्यमों मे रोजगार प्राप्त करने मे सहायक होगा।इससे सीख कर विद्यार्थी स्वतंत्र लेखन भी कर सकते है।

व्यावसायिक पाठ्यकम –4	पाठ्यकम का नाम– सर्जनात्मक लेखन के विविध रूपों का अभ्यास	
पाठ्यकम कोड		
क्रेडिट–03		
कुल अंक–25+75=100		
व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं प्रयोगों की कुल संख्या =1::1:1		व्याख्यानों ट्यूटोरियल एवं प्रयोगों की संख्या
इकाई–01	साक्षात्कार लेखन	2+4+4
इकाई–02	पटकथा लेखन	2+4+4
इकाई–03	रेडियो लेखन	2+4+4
इकाई–04	किन्ही दो साहित्यिक कृतियों का नाट्य रूपांतरण	3+4+8

संदर्भ ग्रंथ–

1–कथा पटकथा– मन्नू भंडारी ,वाणी प्रकाशन

2–पटकथा लेखन– फीचर फिल्म, उमेश राठौर, तक्षशिला प्रकाशन

3–Creative Writing: A Manual For Beginners, edited by Anjana Dev, Anuradha Marvah and Swati Pal (Delhi Pearson,2008)\

4 पटकथा लेखन– मनोहरश्याम जोशी

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: V Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी के द्विवेदी युग व नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिन्दी कविता के छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी की आरम्भिक समर्थ काव्य-परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित छायावादयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी आधुनिक कविता की समीक्षा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 5	Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	द्विवेदी युगीन काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभापा, काव्यशिल्प, काव्यालोचना	09
Unit II	छायावादी काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभापा, काव्यशिल्प और काव्यालोचना	08
Unit III	अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (माँ की ममता, सच्चे देवते तथा साहसी)	08
Unit IV	'मैथिलीशरण गुप्त (पंचवटी)	08
Unit V	जयशंकर प्रसाद (आँसू तथा गीत)	08
Unit VI	सुमित्रानंदन पंत (परिवर्तन तथा प्रथम रश्मि)	08
Unit VII	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (वंदना, जुही की कली तथा वह तोड़ती पत्थर)	08
Unit VIII	महादेवी वर्मा (गीत – धीरे धीरे उतर क्षितिज से, वीन भी हूँ मैं, लाए कौन संदेश नए घन, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो, हे चिर महान, सव वुझे दीपक जला लूँ)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य- संपादक: प्रो. चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएँ)
2. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
3. छायावाद और रहस्यवाद- गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
4. आधुनिक कविता यात्रा- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
5. निराला: मूल्यांकन- इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
6. पंत की काव्यभापा- कांता पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
7. 'छायावाद की परिक्रमा- डॉ. श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*		Year: III	Semester: V Paper-II
Subject: Hindi			
Course Code:	Course Title: छायावादोत्तर हिंदी कविता		

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी छायावादोत्तरी कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रगतिवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रयोगवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में नयी कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
7. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 5	Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रगतिवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	14

Unit II	प्रयोगवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit III	नयी कविता : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit IV	समकालीन हिन्दी कविता : विविध विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	15
Unit V	कविताएँ एवं व्याख्या - 1 अज्ञेय (कलगी बाजरे की,यह दीप अकेला) 2. मुक्तिबोध (भूल-गलती, एक रग का राग) 3. नागार्जुन (कालिदास, अकाल और उसके बाद) 4. शमशेर बहादुर सिंह (सूना-सूना पथ है उदास झरना,वह सलोना जिस्म) 5. कुँवर नारायण (नचिकेता) 6. भवानी प्रसाद मिश्र (कहीं नहीं बचे,गीत फ़रोश) 7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (मैंने कब कहा, हम ले चलेंगे) 8. केदारनाथ सिंह (रचना की आधी रात, फ़र्क नहीं पड़ता) ।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. छायावादोत्तर हिंदी कविता- संपादकः प्रो. शिरीष कुमार मौर्य, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएं)
2. नई कविताएँ: एक साक्ष्य- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
3. नयी कविता: नये कवि- डॉ. विश्वम्भर मानव, लोकभारती, इलाहाबाद,
4. हिंदी के आधुनिक कवि- डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
6. छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिमान – प्रो. निर्मला ढैला बोरा, आधारशिला प्रकाशन, हल्द्वानी
7. छायावाद की परिक्रमा- डॉ. श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

DEGREE COURSE IN UG

Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: V Paper III-Project

Subject: Hindi

Course Code:	Course Title: लघुशोध अध्ययन एवं कार्य – हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली

Course Outcomes:

शिक्षार्थी इस लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का ज्ञान प्राप्त करता है। विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिन्दी के प्रसार के लिए यह अध्ययन आवश्यक है।

Credits: 4	Project
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : परिभाषा एवं अर्थ। वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग – स्थापना, इतिहास, उद्देश्य आदि	20
Unit II	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : चयन एवं निर्माण, प्रकिया एवं महत्व	20
Unit III	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : समस्याएं और समाधान	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60

DEGREE COURSE IN UG

Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Paper-I

Subject:
Hindi

Course Code:	Course Title: हिंदी निबंध

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक सम्बन्ध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 5	Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 33

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	निबन्ध विधा – परिचय, स्वरूप, शिल्प तथा प्रकार उद्भव एवं विकास	09

Unit II	बालकृष्ण भट्ट -आरम्भ (साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)	08
Unit III	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – नीति विचार (कछुआ धर्म)	08
Unit IV	रामचन्द्र शुक्ल – साहित्य (कविता क्या है)	08
Unit V	महादेवी वर्मा - स्त्री (जीने की कला)	08
Unit VI	हजारीप्रसाद द्विवेदी -संस्कृति (अशोक के फूल)	08
Unit VII	हरिशंकर परसाई – व्यंग्य (पगडंडियों का ज़माना)	08
Unit VIII	विद्यानिवास मिश्र – ललित (अस्ति की पुकार)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंध- संपादक: प्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित निबन्ध)
2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार- डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार- डॉ. गंगाप्रसाद, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिंदी गद्य: विन्यास और विकास- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: लोक साहित्य	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययन की प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी लोकगीतों के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी लोक नाट्य के स्वरूप, उसके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी लोककथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
7. शिक्षार्थी लोकगाथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
8. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 5	Major Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 33
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लोक-साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, लोक संस्कृति अध्ययन की प्रक्रिया, संकलन प्रविधि और समस्याएँ	15
Unit II	लोक-गीत : अर्थ एवं स्वरूप, संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम परिहार-गीत, ऋतु-गीत	12
Unit III	लोक-नाट्य : अर्थ एवं स्वरूप, विविध रूप – रामलीला, स्वाँग, यक्षगान, भवाई, नाच, तमाश, नौटंकी, जात्रा, कथकली	12
Unit IV	लोक-कथा : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार - व्रत-कथा, परीकथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक रूढियाँ एवं अभिप्राय,	12
Unit V	लोक-गाथा : अर्थ एवं स्वरूप, उत्पत्ति, परम्परा, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध लोक-गाथाएँ – राजुला-मालूशाही, गौरा-माहेश्वरी, तीलू रौतेली	14
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. लोक साहित्य – सम्पादक : प्रो. चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित लोक साहित्य)
2. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय : विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
5. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय

DEGREE COURSE IN UG

Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Paper III Project

Subject: Hindi	
Course Code:	Course Title: लघुशोध अध्ययन एवं कार्य – साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन

Course Outcomes:
शिक्षार्थी इस लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की साहित्यिक विचारधाराओं का ज्ञान प्राप्त करता है। हिन्दी साहित्य में उच्चस्तरीय शोध के लिए यह पूर्व-अध्ययन अत्यन्त आवश्यक है।

Credits: 4	Project
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures/ Hours
Unit I	निम्नांकित विचारधाराओं अथवा साहित्य आन्दोलनों में से किसी एक पर लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य करना है – 1. भक्ति-आन्दोलन 2-छायावाद 3-प्रगतिवाद 4- राष्ट्रवाद 5- अस्तित्ववाद 6- नारीवाद 7- दलित विमर्श 8- आधुनिकताबोध 9- उत्तरआधुनिकता	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60